भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 819
सोमवार, 8 दिसंबर, 2025 (17 अग्रहायण, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में उड़ान योजना के तहत शामिल विमानपत्तनों की संख्या

819. श्री शुभाशीष खुंटियाः
क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा राज्य में कितने विमानपत्तनों को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत शामिल किया गया है;

(ख) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि ओडिशा राज्य के कई जिले हवाई संपर्क के मामले में अभी भी अल्पसेवित बने हुए हैं; और

(ग) ओडिशा राज्य में विमानन अवसंरचना को मजबूत करने के लिए विमानपत्तन वार उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान के तहत, ओडिशा राज्य में चार (04) हवाईअड्डे- नामतः झारसुगुड़ा, राउरकेला, उत्केला और जयपोर को प्रचालनरत किया गया है। इसके अतिरिक्त, 'उड़ान' योजना के तहत विकास के लिए ओडिशा में रंगीलुंडा, अमरदा और रायरंगपुर (डांडबोस) हवाईपट्टियों को चिह्नित किया गया है।

क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान एक सतत योजना है जिसमें योजना के तहत अधिक गंतव्यों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित किए जाते हैं। असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन वैध बोली प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें चिह्नित करके और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवॉर्ड करके किया जाता है।

हवाईअड्डों का आधुनिकीकरण और क्षमता संवर्धन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), राज्य सरकारों और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा भूमि की उपलब्धता, व्यवहार्यता और यातायात की मांग के आधार पर की जाने वाली एक सतत प्रक्रिया है।

******